**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**लोक सभा**

**31.07.2024 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1531 का उत्तर**

**अजमेर-सवाई माधोपुर वाया टोंक रेल लाइन परियोजना**

**1531. श्री हरीश चंद्र मीना:**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

**(क) क्या सरकार का अपने स्वयं के संसाधनों के माध्यम से "अजमेर (नसीराबाद)-सवाई माधोपुर (चौथ का बरवाड़ा) वाया टोंक (165 किलोमीटर) नई रेल लाइन परियोजना" को पूरा करने का विचार है; और**

**(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?**

**उत्तर**

**रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री**

**(श्री अश्विनी वैष्णव)**

**(क) और (ख): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।**

*****

**अजमेर-सवाई माधोपुर वाया टोंक रेल लाइन परियोजना के संबंध में दिनांक 31.07.2024 को लोक सभा में श्री हरीश चंद्र मीना के अतारांकित प्रश्न सं. 1531 के भाग (क) और (ख) के उत्तर से संबंधित विवरण।**

**(क) और (ख): 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, राजस्थान में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली ₹51814 करोड़ लागत वाली 4191 कि.मी. कुल लंबाई की 32 रेल अवसंरचनात्मक परियोजनाएं (15 नई लाइनें, 05 आमान परिवर्तन और 12 दोहरीकरण) हैं, जो योजना/अनुमोदन/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 1183 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक ₹14786 करोड़ का व्यय किया जा चुका है। इसमें शामिल है:**

- **₹20997 करोड़ की लागत पर 1230 कि.मी. कुल लंबाई की 15 नई लाइन परियोजनाएं, जिनमें से 134 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक ₹3593 करोड़ का व्यय किया गया है।**

- **₹8334 करोड़ की लागत वाली 1252 कि.मी. कुल लंबाई की 05 आमान परिवर्तन परियोजनाएं, जिनमें से 759 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक ₹5398 करोड़ का व्यय किया गया है।**

- **₹22483 करोड़ की लागत वाली 1709 कि.मी. कुल लंबाई की 12 दोहरीकरण परियोजनाएं, जिनमें से 290 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक ₹5794 करोड़ का व्यय किया गया है।**

**2014 से परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन और तदनुरूपी कमीशनिंग में पर्याप्त वृद्धि हुई है। राजस्थान में पूर्णत:/अंशत: रूप से आने वाली अवसंरचना परियोजनाओं तथा संरक्षा कार्यों के लिए औसत वार्षित बजट आबंटन और तदनुरूपी कमीशनिंग निम्नानुसार है:-**

**<u>बजट आबंटन:</u>**

| अवधि | औसत परिव्यय | 2009-14 के दौरान औसत आबंटन के संबंध में वृद्धि |
|---|---|---|
| 2009-14 | ₹682 करोड़/वर्ष | - |
| 2023-24 | ₹9532 करोड़ | लगभग 14 गुना |
| 2024-25 | ₹9959 करोड़ | लगभग 15 गुना |

**<u>कमीशनिंग:</u>**

| अवधि | औसत कमीशनिंग | 2009-14 में कमीशनिंग के संबंध में वृद्धि |
|---|---|---|
| 2009-14 | 798 किमी (159.6 किमी/वर्ष) | - |
| 2014-24 | 3742 किमी (374.2 किमी/वर्ष) | 2 गुना से अधिक |

**टोंक के रास्ते अजमेर (नसीराबाद) - सवाई माधोपुर (चौथ का बरवाड़ा) (165 किमी) नई लाइन परियोजना को रेल मंत्रालय और राजस्थान सरकार के बीच 50:50 लागत साझाकरण के आधार पर स्वीकृत कर दिया गया था और राजस्थान सरकार द्वारा भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराई जानी थी।**

**रेल परियोजना (परियोजनाओं) का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा त्वरित भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वानिकी स्वीकृतियां, अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक परिस्थिति, परियोजना (परियोजनाओं) स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना (परियोजनाओं) को पूरा करने के समय को प्रभावित करते हैं। उपरोक्त बाधाओं के बावजूद, परियोजना (परियोजनाओं) का शीघ्र निष्पादन करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।**

*****